

4812

4

(ग) पाण्डुलिपियों के उपचार की आवश्यकता

Need for treatment of manuscripts

(300)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4812

H

Unique Paper Code : 2136000007

Name of the Paper : Fundamentals of Indian
Manuscriptology

Name of the Course : **Common Prog. Group : SEC-
Sanskrit**

Semester : II

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 30

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Three** questions in all.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं तीन प्रश्न के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्न पत्र के उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. भारतीय पाण्डुलिपि विज्ञान की मुख्य विशेषताएँ बताइए। (10)

Explain the main features of Indian manuscriptology?

2. पाण्डुलिपियों के उपचार एवं संरक्षण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। (10)

Throw light on the process of treatment and preservation of manuscripts.

3. सूची-विवरण से आप क्या समझते हैं? विभिन्न सूची-विवरणों का वर्णन कीजिए। (10)

What do you understand by catalogue? Describe the various catalogues.

4. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (5×2=10)

Write short notes on any **two** of the following :

(क) पाण्डुलिपि विज्ञान का महत्त्व

Importance of manuscript science

(ख) भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पूणे

Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune